पाकिस्तान में आटे की भारी किल्लत से बुरा हाल

सिर पीटकर रोने लगा तीन दिन से भूखा पाकिस्तानी

हाहाकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गेहूं की आसमान छूती कीमतों का असर अब आटे के दाम पर भी दिखने लगा है। देश के कई हिस्सों में आटा अब 75 रुपये किलो बिक रहा है। यही नहीं इतना पैसा देने के बाद भी सिंध और कई अन्य प्रांतों में दुकानों पर आटा नहीं मिल रहा है और लोगों को लंबी–लंबी लाइन में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। एक शख्स तो तीन दिन तक दौड़ने के बाद आटा नहीं मिलने से इतना दुखी हो गया कि सिर पीट–पीटकर रोने लगा। देश में आटे की भारी किल्लत के बाद विपक्षी दल गुजरांवाला में सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। विपक्ष के प्रदर्शन की चेतावनी के बाद अब इमरान सरकार हरकत में आई है। इमरान सरकार ने मंगलवार को देश में बढ़ती महंगाई और खाद्यान संकट को काबू में करने के लिए एक व्यापक योजना को स्वीकृति दी है।

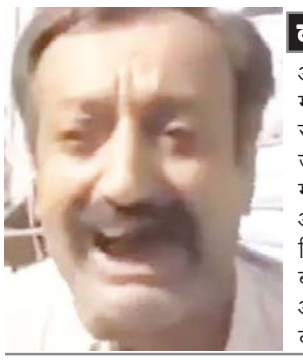

कीमतों के ऐलान की मांग

ऑल पाकिस्तान फ्लार असोसिएशन ने मांग की है कि देश और राज्य की सरकारें गेहूं के क्रय मूल्य का ऐलान जल्द करें क्योंकि सिंध में कटाई का मौसम शुरू हो चुका है और पंजाब में अगले महीने शुरू हो जाएगा। वहीं, किसानों ने मांग की है कि सर्टिफाइड बीजों की कीमतों का ऐलान किया जाए और अगले 24 घंटे में 50 किलो के बैग की कीमत का ऐलान भी किया जाए।

यही नहीं इस संबंध में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति कार्यालय में एक कैंप ऑफिस का गठन किया गया है।

सिंध में आटा 75 रूपये किलो बिक रहा, एक रोटी 15 रुपये की

इस संकट की गंभीरता का अंजादा इस बात से लगाया जा सकता है कि लगातार दूसरे दिन पाकिस्ध्तानी कैबिनेट की बैठक महंगाई और खाद्यान संकट को लेकर हुई है। उधर, इमरान सरकार अब संकट के लिए सिंध की सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। सिंध में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सरकार है। इमरान सरकार ने कहा कि सिंध में आटा 75 रूपये किलो बिक रहा है। यही नहीं पाकिस्तान में एक रोटी 15 रुपये की बिक रही है।

आटे की किल्लत का आलम यह है कि एक शख्स तीन दिनों तक दौड़ता रहा और उसे आटा नहीं मिलने पर बुरी तरह से रो पड़ा। इस पाकिस्तानी शख्स के वायरल वीडियो में उसने बताया कि तीन दिन से वह खाना नहीं खाया है। उसके बच्च्चे आटा नहीं मिलने की वजह से भूखे हैं। उसने बताया कि मैं अपने बच्चों के लिए कई दिनों से दौड़ रहा हूं लेकिन आटा नहीं मिल रहा है। 14 रुपये में एक रोटी मिल रही है। हम गरीब लोग कहां जाएं, कहां से खाएं। आटे के लिए इतना पैसा कहां से दूं, दवाइएं कहां से खरीदूं। हमें सूखी रोटी भी खाने को तैयार हैं लेकिन वह भी नहीं मिल रही है।

बता दें कि पाकिस्तान में गेहूं की कीमत ने रेकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा 2400 रुपये प्रति 40 किलो की कीमत यानी 60 रुपये में एक किलो पर पहुंच गई। इसके साथ ही देश की सरकार के महंगाई काबू में करने और खाद्य सुरक्षा मुहैया कराने की कोशिशों के असफल होने के इशारे मिलने लगे हैं। पिछले दिसंबर में देश में हालात बेहद खराब दिखने लगे थे जब गेहूं की कीमत 2000 रुपये प्रति 40 किलो पर पहुंच गई थी। इस साल अक्टूबर में ही यह रेकॉर्ड टूट गया।

न्यूज डायरी

फाइल फोटोः अफगान हेलिकॉप्टर

अफगानिस्तान में वायुसेना के दो हेलिकॉप्टरों के बीच में हवा में भीषण टक्कर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में वायुसेना के दो हेलिकॉप्टरों के बीच में हवा में भीषण टक्कर हो गई जिससे 15 सैनिकों की मौत हो गई है। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि हवा में हादसे की यह घटना मंगलवार की रात को दक्षिणी हेलमंद प्रांत के नावा जिले में हुई। बताया जा रहा है कि ये हेलिकॉप्टर कमांडो को उतारकर घायल सैनिकों को लेकर वापस जा रहे थे। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज के मुताबिक नावा जिले में एक ऑपरेशन में ये सैनिक घायल हो गए थे और उन्हें लेने तथा अतिरिक्त सहायता पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर पहुंचे थे। इसी दौरान यह भीषण हादसा हो गया। एक अन्य सूत्र ने बताया कि इस घटना में 8 सैनिक मारे गए हैं। हादसे में मरने वाले सैनिकों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने अभी इस हादसे पर कोई बयान नहीं दिया है। प्रांत के गवर्नर के एक प्रवक्ता उमर ज्वाक ने नावा जिले में हुई इस घटना की पुष्टि की है।

कोरोना वायरस से दोबारा इन्फेक्शन होने पर मौत का पहला केस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रसेल्स। अभी तक माना जा रहा था कि कोरोना वायरस से एक बार इन्फेक्ट होने पर किसी इंसान के अंदर उससे लड़ने वाली ऐंटीबॉडी पैदा हो जाती हैं। ये दोबारा इन्फेक्शन रोकती हैं और इनकी मदद से दूसरे लोगों को भी इन्फेक्शन के खतरे से बचाया जा सकता है। हालांकि, अब कुछ जगहों पर कोरोना के मरीज के दोबारा इन्फेक्ट होने के केस सामने आने लगे हैं। वहीं, 89 साल की एक डच मूल की महिला की दोबारा इन्फेक्शन से मौत भी हो गई है। यह इस तरह की पहली घटना मानी जा रही है। मृतक महिला का कैंसर का ट्रीटमेंट चल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें दो महीने के अंतर पर वायरस के अलग–अलग स्ट्रेन से इन्फेक्शन हुआ। हालांकि, दोनों इन्फेक्शन के बीच महिला को कभी कोरोना वायरस के लिए निगेटिव पाया ही नहीं गया था। दरअसल, महिला पहली बार पॉजिटिव टेस्ट होने के बाद लक्षण खत्म होने पर वह घर चली गई थीं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकाय के लिये पाकिस्तान का पुनर्निर्वाचन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड को ले कर विभिन्न मानवाधिकार समूहों के विरोध के बावजूद संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में उसे दोबारा चुन लिया गया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च मानवाधिकार निकाय के लिये एशिया प्रशांत क्षेत्र की चार सीटों पर पांच उम्मदवारों में से पाकिस्तान को सर्वाधिक मत मिले हैं। संयक्त राष्ट्र महासभा में गुप्त मतदान में पाकिस्तान को 169 मत मिले। इसके बाद उज्बेकिस्तान को 164, नेपाल को 150 और चीन को 139 मत मिले। 193 सदस्यीय महासभा में सऊदी अरब को केवल 90 वोट मिल पाया और वह इस दौड़ से बाहर हो गया। मानवाधिकार परिषद के नियमों के तहत भौगोलिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों को सीटें आवंटित की जाती हैं। 47 सदस्यीय मानवाधिकार परिषद में 15 सदस्यों का चुनाव पहले ही हो चुका था क्योंकि अन्य सभी क्षेत्रीय समूह के सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुये।

रूसी और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए हुए रवाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अल्माटी, कजाकिस्तान। पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस पर एक ऐसी तकनीक के साथ भेजा गया है जिससे वह महज तीन घंटे में पहुंच जाएंगे। नासा के केट रूबिंस और रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के सर्गेई कुद–सेवरचकोव ने कजाकिस्तान में रूस–स्थित बैकोनूर अंतरिक्ष प्रक्षेपण सुविधा उड़ान भरी। अल्माटी, कजाकिस्तान, एएफपी। पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक ऐसी तकनीक के साथ भेजा गया है, जिससे वह महज तीन घंटे में पहुंच जाएंगे। पहली बार, वे ऑर्बिट की परिक्रमा के लिए दो–कक्षा, तीन–घंटे के दृष्टिकोण की कोशिश कर रहे हैं।

दिसंबर तक ऑक्सफर्ड की कोरोना वेक्सीन आने की संभावना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की जिस कोरोना वायरस वैक्सीन से दुनियाभर को उम्मीदें हैं, उसके क्रिसमस से पहले तैयार होने की उम्मीद बेहद कम है। ब्रिटेन की वैक्सीन टास्कफोर्स की हेड केट बिंघम का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक सफलता की उम्मीद तो की जा सकती है लेकिन गारंटी नहीं है। गौरतलब है कि बीच में ऑक्सफर्ड के ट्रायल को रोकना पड़ा था लेकिन ये फिर शुरू कर दिए गए हैं। वहीं, हाल ही में जॉनसन ऐंड जॉनसन के ट्रायल को रोका जा चुका है। एक वॉलंटिअर में बीमारी देखे जाने के बाद यह फैसला किया गया था। इसके बाद ऐंटीबॉडी दवा पर काम कर रही म्सप स्पससल के ट्रायल को भी रोका गया।

केट के बयान ऐसे वक्त में आया है जब ब्रिटेन के चीफ साइंटिफिक अडवाइजर सर पैट्रिक वॉलेस ने पिछले महीने कहा था कि देश में इन्फेक्शन का ज्यादा खतरा झेल रहे लोगों को 2020 से पहले वैक्सीन दी जा सकेगी और आम लोगों के लिए अगले साल इसे उपलब्ध किया जा सकेगा। कुछ वक्त पहले एक वॉलंटिअर के बीमार पड़ने पर वैक्सीन के ट्रायल को रोक दिया गया था लेकिन अब ज्यादातर जगहों पर यह फिर से शुरू हो गया है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग बोले- जंग के लिए तैयार रहे सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। अमेरिका और भारत के साथ चल रहे तनाव के बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुआंगडोंग इलाके का दौरा किया और सेना के एक अड्डे पर पहुंचे। सैन्य अड्डे पर शी जिनघपिंग ने मरीन सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार रहने और हमेशा सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने शांतो इलाके का भी दौरा किया जो विदेशों में रहने वाले कई चीनी लोगों का गृहकस्बा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग ने मरीन सैनिकों से कहा कि उन्हें एक साथ कई मोर्चो पर तैयार रहने, त्वरित प्रतिक्रिया देने, सभी मौसम और इलाके में जंग लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा। चीन के सरकारी टीवी चैनल सीसीटीवी पर प्रकाशित शी के बयान में कहा गया है, आपको अपना दिमाग और पूरी ऊर्जा युद्ध की तैयारी के लिए लगाना चाहिए और हमेशा बेहद सतर्क रहें।

इतिहास में सबसे खराब उम्मीदवार हैं जो बाइडेन, जीत के लिए लालायित है चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडेन पर साधा निशाना

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से चीन को लेकर जो बाइडेन पर निशाना साधा है। ट्रंप ने कहा कि चीन और धुर वामपंथी, राष्ट्रपति पद के चुनाव में जो बाइडेन की जीत के लिए 'लालायित' है क्योंकि डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चीन को नौकरियां सौंप देंगे। उन्होंने बाइडेन को अमेरिका के इतिहास में सबसे खराब उम्मीदवार करार दिया।

ट्रंप ने कोविड–19 से संक्रमित होने के बाद पेन्सिलवेनिया में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति बाइडेन को 'आत्मसमर्पण' के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, 'बाइडेन चीन पर शुल्क में कटौती करेंगे। वह पहले ही कह चुके हैं कि वह चीन पर लगे शुल्क हटाएंगे।' ट्रंप ने कहा, बाइडेन के बारे में एक बात सतत है और वह है–आत्मसमर्पण। वह आत्म समर्पण कर देते हैं, भले ही वह चीन हो या क्यूबा हो। आपने क्यूबा के साथ जो समझौता किया था, वह कितना बुरा था? मैंने उसे समाप्त किया।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए चीन और धुर वामपंथी बाइडेन की जीत के लिए लालायित हैं क्योंकि वह चीन को हमारी नौकरियां सौंप देंगे। यदि यह निष्क्रिय व्यक्ति (बाइडेन) राष्ट्रपति बन जाता है, तो अमेरिका पर चीन का कब्जा हो जायेगा।' ट्रंप ने कहा कि वह आगामी चार साल में अमेरिका को दुनिया में विनिर्माण की महाशक्ति बना देंगे और चीन पर निर्भरता को समाप्त कर देंगे।

अमेरिका के इतिहास में सबसे खराब उम्मीदवारः ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के अपने प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन को श्अमेरिका के इतिहास में सबसे खराब उम्मीदवारश करार दिया और इसके लिए डेमोक्रेटिक नेता की हालिया कुछ गलतियों का उल्लेख किया। रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप (74) और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बाइडेन (77) के बीच कड़ी टक्कर है।

लेबनान–इजरायल के बीच समुद्री सीमा विवाद पर वार्ता शुरूः यूएन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेरुत। लेबनान और इजरायल के बीच समुद्री सीमा को लेकर वार्ता शुरू हो गई है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से समुद्री सीमा को लेकर विवाद और संघर्ष जारी है। हाल में इस विवाद को खत्म करने को लेकर अमेरिका की मध्यस्थता में बातचीत हुई और दोनों देशों ने सहमति जताई। यह वार्ता संयुक्त राष्ट्र के दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती शहर नकौरा में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के मुख्यालय में आयोजित की गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने बताया था कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच विचार विमर्श शुरू होगा और लेबनान व इजरायल के नागरिकों के लिए अधिक स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि हासिल का मौका होगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगभग तीन साल की गहन राजनयिक कार्य का परिणाम है।